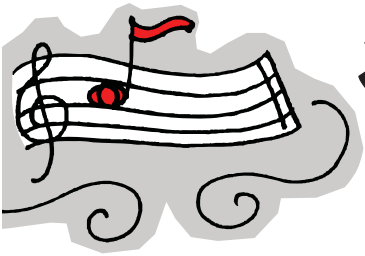

अनुशिक्षक

आनन्द की स्पर्धाएं

स्पर्धा 6

आनन्द–बनाम–ईर्ष्या

धार्मिक नेता ईर्ष्यालु होते हैं (प्रेरितों के काम 5:12–33)

याद करने की आयत:
1 कुरिन्थियों 3:3

"क्योंकि अब तक शारीरिक हो, इसलिये, कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते?"

रिंग के अंदर

आत्मिक वरदानों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें : जैसे कि शारीरिक सौंदर्य, संपत्ति और आपके परिवार के लिए। परमेश्वर से मांगें कि वह आपको उन चीज़ों में खुश और संतुष्ट रहने में मदद करें जो आपके पास हैं। किसी ऐसे जन को चुनों जिनसे आप ईर्ष्या रखते थे और जाकर उन्हें एक छोटा उपहार दें। (अपनी पुरानी ईर्ष्या के बारें में उसे न बतायें)।

''चैंपियन्स्, आत्मा के फल के द्वारा'' में आपका हार्दिक स्वागत् है! आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन्स् बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें उनके दैनिक जीवन में आत्मा के फल को कार्य में लाना होगा। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होते हैं, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में केवल सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' जाना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग उनके लिए असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही उसे स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य पूरा कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वास्तव में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद ही नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे!

आपकी जिम्मेदारियां:

- आप अपने बच्चों के समूह के लिए एक कोच या अनुशिक्षक बनें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

पुरस्कारः

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें।

छोटे साप्ताहिक पुरस्कारः

- गले मिलना
- हाई–फाईव
- उनके टी–शर्ट या कमीज़ के लिए स्टीकर
- हाथ पर कोई टेटू या मोहर
- एक छोटी कैंडी

महीने के अंत में बड़े पुरस्कारः

- पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों को स्वर्ण, चांदी और कांस्य पदकों को दिया जाएगा। (जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कांस्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। इसके अलावा, हर हफ्ते 2 पंच के लिए कांस्य पदक, 3 पंच के लिए चांदी और चार पंच के लिए स्वर्ण पदक दे सकते हो।)
- आपके घर में एक पार्टी
- प्रमाण पत्र
- किसी बड़ी कलीसिया में वयस्कों के सामने कोई उपहार देना
- ट्रॉफी

प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें जबकि आप अपने विद्यार्थियों को आत्मा के फल में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो!

स्पर्धा 7

आनन्द–बनाम–लालच

धनवान नौजवान

(मत्ती 19: 16–30)

याद करने की आयत:

लूका 12:15

"और उस ने उन से कहा, चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो: क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।"

रिंग के अंदर

कलीसिया में अपने स्वयं के धन में से कुछ परमेश्वर के लिए भेंट की पेटी में डालें, न जानते हुए भी कि यह धन कहां जाता है। अपने धन में से कुछ दूसरों की सेवा के लिए उपयोग करें। यदि आपके पास धन न हो तो आप अपने किसी चीज़ को लेकर किसी जरूरतमंद को दे सकते हो।

स्पर्धा 8

आनन्द–बनाम–आत्मदया

योना और कीड़ा

(योना 4:1–10)

याद करने की आयत:

2 कुरिन्थियों 4:17–18

"क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।"

रिंग के अंदर

किसी अनाथालय या किसी ऐसी सेवकाई में मदद करो जो गरीबों को भोजन बांटती है। बीच बीच में, अस्पताल जाकर किसी बीमार व्यक्ति से मिलो। परमेश्वर से प्रार्थना करो कि वह आपको बड़ी तस्वीर देखने के लिए आंखें खोल दें, और केवल अपने ऊपर आंखें जमाये रखने से बचने में मदद करे।

स्पर्धा 9

आनन्द–बनाम–आभारहीनता

यीशु ने 10 कुष्ठ रोगियों को चंगा किया

(लूका 17: 11–19)

याद करने की आयत:

भजन 100:4

"उसके फाटकों से धन्यवाद, और उसके आंगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करो, उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य कहो!"

रिंग के अंदर

अपने माता–पिता (या किसी अन्य) को उन चीजों के लिए धन्यवाद दें जो वे आपको रोज देते हैं। कुछ ऐसा चुनें जिनके बिना आप कुछ समय के लिए चल सकें, ताकि आपको याद रहें कि यह हमेशा आपके साथ नहीं रहेगा।

छात्र

1

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				

2

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				

3

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				

4

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				

5

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				

6

स्पर्धाएं

	6	7	8	9
जाब				
हुक				
क्रोस				
अपरकट				